कुमार जीवन - 60

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमार अर्थात् कमज़ोरी को सदा के लिए तलाक देने वाले। आधाकल्प के लिए कमज़ोरी को तलाक दे दिया ना। या अभी नहीं दिया है? **जो सदा समर्थ आत्मायें हैं उनके आगे कमज़ोरी आ नहीं सकती।** सदा समर्थ रहना अर्थात् कमज़ोरी को समाप्त करना। ऐसी समर्थ आत्मायें बाप को भी प्रिय हैं। परिवार को भी प्रिय हैं।

➳ _ ➳ कुमार अर्थात् अपने हर कर्म द्वारा **अनेकों की श्रेष्ठ कर्मों की रेखा खींचने वाले। स्वयं के कर्म औरों के कर्म की रेखा बनाने के निमित्त बन जायें।** ऐसे सेवाधारी हो। तो हर कर्म में यह चैक करो कि हर कर्म ऐसा स्पष्ट है जो औरों को भी कर्म की रेखा स्पष्ट दिखाई दे। ऐसे श्रेष्ठ कर्मों के श्रेष्ठ खाते को सदा जमा करने वाली विशेष आत्मायें - इसको कहा जाता है - सच्चे सेवाधारी।

➳ _ ➳ याद और सेवा यही सदा आगे बढ़ाने का साधन है। **याद शक्तिशाली बनाती है और सेवा खजानों से सम्पन्न बनाती है।** याद और सेवा से आगे बढ़ते रहो और बढ़ाते चलो। **(25-12-1985)**

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ समर्थ आत्माएं

→ सदैव मायाजीत स्थिति का अनुभव करती हैं

→ कमजोरियों पर विजय प्राप्त करती हैं

→ बाप को और परिवार को प्रिय लगती हैं

➳ _ ➳ श्रेष्ठ कर्म

→ कर्मों में सदैव पारदर्शिता हो

- कभी किसी से कुछ छिपाने की आवश्यकता महसूस न हो

→ जीवन एक खुली किताब हो

→ दूसरों को भी आपके कर्मों से प्रेरणा मिले

→ दुसरे भी आपको देखकर अपने कर्म श्रेष्ठ बना लें

➳ _ ➳ याद और सेवा

→ याद शक्तिशाली बनाती है

→ सेवा खजानों से संपन्न बनाती है